HEMCHNAD YADAV VISHWAVIDYALAYA, DURG (C.G.)

Website -www.durguniversity.ac.in, Email - durguniversity@gmail.com

SCHEME OF EXAMINATION
&
SYLLABUS
of
M.A. (Hindi) Semester Exam
UNDER
FACULTY OF ARTS
Session 2026-27

(Approved by Board of Studies)
Effective from June 2026

एम.ए. हिन्दी अंक विभाजन सेमेस्टर प्रणाली
प्रथम सेमेस्टर अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	क्रेडिट
प्रथम : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल)	80	20	100	05
द्वितीय : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (रासो काव्य, लौकिक काव्य एवं निर्गुण)	80	20	100	05
तृतीय : आधुनिक काव्य–1 (छायावाद एवं पूर्ववर्ती काव्य)	80	20	100	05
चतुर्थ : आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक, एकांकी एवं चरितात्मक कृति)	80	20	100	05
		कुल अंक	**400**	**20**

द्वितीय सेमेस्टर अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	क्रेडिट
पंचम : (उत्तर मध्यकाल एवं आधुनिक काल)	80	20	100	05
षष्ठ : मध्यकालीन काव्य	80	20	100	05
सप्तमः आधुनिक काव्य–2 (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं समकालीन कविता)	80	20	100	05
अष्टमः उपन्यास, निबंध एवं कहानी	80	20	100	05
		कुल अंक	**400**	**20**

तृतीय सेमेस्टर अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	क्रेडिट
प्रथम : साहित्य के सिद्धांत तथा अलोचना शास्त्र	80	20	100	05
द्वितीयः भाषा विज्ञान	80	20	100	05
तृतीयः कामकाजी हिन्दी एवं पत्रकारिता	80	20	100	05
चतुर्थ : भारतीय साहित्य	80	20	100	05
		कुल अंक	**400**	**20**

चतुर्थ सेमेस्टर अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	क्रेडिट
पंचमः हिन्दी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र	80	20	100	05
षष्ठ : हिन्दी भाषा	80	20	100	05
सप्तम : मीडिया लेखन एवं अनुवाद	80	20	100	05
अष्टमः जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)	80	20	100	05
		कुल अंक	**400**	**20**

टीपः– प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत दो आंतरिक मूल्यांकन का आयोजन अनिवार्य होगा एवं इसका मूल्यांकन विभाग के शिक्षको के द्वारा किया जावेगा तथा प्राप्तांक विश्वविद्यालय को प्रेषित किया जावेगा। 10 अंक आंतरिक परीक्षा, 05 अंक सत्रीय कार्य एवं सेमीनार, 05 अंक उपस्थिति के लिए निर्धारित होगा।

एम.ए. हिंदी

अध्ययन का उद्देश्य–

एम.ए. पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को स्नातक पश्चात हिंदी साहित्य के गंभीर व गहन अध्ययन की ओर उन्मुख करना है ।पाठ्यक्रम में भाषा, आलोचना, काव्यशास्त्र का अध्ययन जहां सैद्धान्तिक समझ को विकसित करता है वही अन्य विधाएं जैसे कविता, नाटक, कहानी, उपन्यास में उन सिद्धांतों के व्यावहारिक रूप को समझने में सक्षम बनाना है।

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र –प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है–

1. हिंदी साहित्य के इतिहास और इतिहास–दर्शन के बीच के संबंधों से परिचित कराना।

2. हिंदी साहित्य और हिन्दी भाषी समाज के मध्य ऐतिहासिक संबंध और पारस्परिक निर्भरता से अवगत कराना।

3. भक्ति आंदोलन के सामाजिक परिप्रेक्ष्य और राष्ट्रीय सामाजिक संस्कृति के विकास में उसके प्रभाव को समझने की दृष्टि विकसित होगी।

4. भारतीय संस्कृति के बहुलतावादी और समन्वयवादी स्वरूप पर विश्वास पैदा होगा।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1 इतिहास लेखन और साहित्य के इतिहास की समझ विकसित होगी।

2 हिंदी साहित्य के इतिहास दर्शन इतिहास लेखन की परंपरा और लेखन की समस्या से अवगत कराना ।

3 हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण का समुचित ज्ञान होगा ।

4 आदिकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियों, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि व दार्शनिक विचारधारा से परिचय होगा ।

5 पूर्व मध्यकालीन काव्य में लोक जागरण का नवीन स्वर समाहित है इसमें भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परंपरा को सुरक्षित रखा है।

एम.ए. – हिन्दी
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – प्रथम
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल)

योग : 80

पाठ्य विषयः–

इकाई–1 **हिन्दी साहित्य का इतिहास : परम्परा और पद्धतिः**

साहित्य का इतिहास दर्शन–विषय, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण, आदिकाल के नामकरण की समस्या।

इकाई–2 **आदिकालः**

हिन्दी साहित्य के आदिकाल की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रासो काव्य, सिद्ध नाथ एवं जैन साहित्य, लौकिक साहित्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार ।

इकाई–3 **पूर्व मध्यकाल (भक्ति काल), भक्ति आंदोलन :**

उद्भव और विकास, हिन्दी क्षेत्र में भक्ति आंदोलन की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं उसका विकास, भक्ति काल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, तथा दार्शनिक विचारधाराएँ।

इकाई–4 **भक्तिकाल की विभिन्न काव्य-धाराएँ :**

निर्गुण काव्य : ज्ञानमार्गी काव्यधारा एवं प्रेममार्गी काव्यधारा - परम्परा, प्रवृत्ति एवं उसका विकास। सगुण काव्य : कृष्ण भक्ति काव्य–धारा एवं रामभक्ति काव्य धारा- परंपरा, प्रवृति एवं उसका विकास।

टीप :– प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन

प्रश्न 1 –		1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 2 –		1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 3 –		1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 4 –		1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 5 –	लघु उत्तरीय	5 X 2	=	10 अंक
–	वस्तुनिष्ठ	10 X 1	=	10 अंक
		योग	**=**	**80 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन			**20 अंक**

29/09/26

निर्धारित पुस्तकें :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास (संशोधित – आचार्य रामचंद्र शुक्ल)
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास (नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली) – डॉ. नगेन्द्र
4. आदिकालीन हिन्दी साहित्य (वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन) – डॉ. शम्भूनाथ पाण्डेय
5. आदिकालीन हिन्दी साहित्य सांस्कृतिक पीठिका (हिन्दी ग्रंथ अकादमी) – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास–राम स्वरूप चतुर्वेदी (लोकभारती प्रकाशन)
8. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास – विश्वनाथ त्रिपाठी (ओरियन्ट लॉगमैन)
9. हिन्दी साहित्य उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी।

29/09/26

द्वितीय प्रश्न पत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

(रासो काव्य, लौकिक काव्य एवं निर्गुण काव्य)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है–

1. हिंदी के पहले महाकाव्य पृथ्वीराजरासो सहित रासो काव्य परंपरा का परिचय और अध्ययन से साहित्यिक परंपरा का ज्ञान होता हैं।

2. प्राचीन भारतीय समाज और संस्कृति के संवेदनात्मक पक्ष की सामान्य समझ विकसित करना।

3. मध्यकालीन संस्कृति का अध्ययन और मध्यकालीन सामंती समाज के भीतर विकसित काव्यबोध की सामान्य जानकारी और समझ विकसित करना।

4 भक्ति आंदोलन के दौरान विशिष्ट प्रतिरोध की संस्कृति के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1 विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त होगा।

2 मध्यकालीन काव्य अपनी कलात्मक अभिव्यंजना में बेजोड़ है इसके अध्ययन से समाज व संस्कृति को समग्रता से समझा जा सकेगा।

3 प्रश्न पत्र में चंदबरदाई विद्यापति कविव मलिक मोहम्मद जायसी की कविताएं सम्मिलित है जिसके माध्यम से उनके कालजयी रचनाओं का ज्ञान होगा।

4 विद्यार्थी प्राचीन व मध्य युग की भाषा से अवगत हुए

5 रासो काव्य, लौकिक काव्य एवं निर्गुण काव्य परंपरा से परिचित हुए।

एम. ए. (हिन्दी)
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – द्वितीय
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
(रासो काव्य, लौकिक काव्य एवं निर्गुण काव्य)

योग : 80

पाठ्य विषयः–

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित चार कवियों का अध्ययन अपेक्षित है ।

1. चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो, संपादक आचार्य हजारी द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह (पद्मावती समय)
2. विद्यापति पदावली : संपादक रामवृक्ष बेनीपुरी से प्रांरभिक 10 पद।
3. कबीर ग्रंथावलीः संपादक डॉ. श्याम सुंदर दास (50 साखियाँ तथा 15 पद) पद क्रमांक– 11, 16, 24, 26, 27, 45, 49, 64, 70, 72, 89, 93, 110, 111, 268 साखियाँ– गुरूदेव कौ अंग 1 से 10, सुमिरण कौ अंग 1 से 10, विरह कौ अंग 1 से 10, ग्यान विरह कौ अंग 1 से 5, चितावणी कौ अंग 1 से 5, माया कौ अंग 1 से 5, परचा कौ अंग 1 से 5 ।
4. मलिक मोहम्मद जायसी : पद्मावत संपादक आ. रामचंद्र शुक्ल (नागमती विरह खण्ड एवं सिंहल द्वीपखण्ड)

टीपः– द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 05 कवियों का एवं उनकी रचनाओं का अध्ययन अनिवार्य है, इन कवियों पर लघु उत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे– अमीर खुसरो, मीराबाई, रहीम, रैदास, रसखान ।

अंक विभाजन

प्रश्न1 व्याख्या	3 व्याख्या (कोई तीन)	3X10 =	30 अंक
प्रश्न2 चंदबरदाई एवं इतिहास	3 आलोचनात्मक (कोई तीन)	3X10 =	30 अंक
प्रश्न3 कबीर एवं जायसी			
प्रश्न4 (द्रुत पाठ के कवि)	5 लघु– उतरीय (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	5X2 =	10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)		10X1 =	10 अंक
	योग =		**80 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें:–

1. डॉ. विपिन बिहारी द्विवेदी – चंदबरदाई
2. कबीर की विचारधारा – डॉ. गोविन्द त्रिगुणायन
3. प्रमुख प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
5. जायसी की विशिष्ट शब्दावली – डॉ. इंदिरा कुमारी सिंह का विश्लेशणात्मक अध्ययन
6. मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ. शिवसहाय पाठक
7. अमीर खुसरो और उनका साहित्य – डॉ. भोलानाथ तिवारी
8. कबीर – सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी

श्रीमती ज्योति भारती   डॉ यशेश्वरी ध्रुव   29/09/16

तृतीय प्रश्न पत्र

आधुनिक काव्य – 1

(द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है–

1. आधुनिक काव्यधारा और उसके संवेदनात्मक वैचारिक स्वरूप से अवगत करना।
2. द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद के काव्य–वैशिष्ट्य और उसके महत्त्व से परिचित कराना।
3. हिन्दी साहित्य के पुनर्जागरण की परिस्थितियों तथा उनकी सर्जनात्मक प्रतिफलन के विषय में सम्यक दृष्टिकोण से अवगत करना।
4. मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला और महादेवी वर्मा के काव्य और उनके रचनात्मक अवदान की जानकारी देना तथा उनके साहित्य का समीक्षात्मक विश्लेषण की समझ उत्पन्न करना

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1 द्विवेदी युगीन व छायावादी काव्य के सशक्त हस्ताक्षर कवियों की युगीन प्रासंगिकता से परिचय।

2 द्विवेदी युगीन व छायावादी काव्य के माध्यम से समकालीन साहित्य का मूल्यांकन करने की क्षमता का विकास

3 साकेत महाकाव्य के माध्यम से राम कथा में उपेक्षित पात्रों से परिचय।

4 कामायनी महाकाव्य के माध्यम से जीवन के मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक विकास के इतिहास का बोध।

29/09/26

एम.ए. पूर्व (हिन्दी)
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – तृतीय
आधुनिक काव्य–1
(द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य)

कुल : 80

पाठ्य विषयः–

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन अपेक्षित है ।

इकाई 1. मैथिलीशरण गुप्त – साकेत नवम् सर्ग
इकाई 2. जयशंकर प्रसाद – कामायनी (चिन्ता, श्रद्धा)
इकाई 3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति
इकाई 4. महादेवी वर्मा – मैं नीर भरी दुःख की बदली, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो, रूपसी तेरा केश-पाश, मधुर मधुर मेरे दीपक जल।

टीपः– द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कवियों का अध्ययन किया जाएगा । श्रीधर पाठक, अयोध्या सिंह उपाध्याय "हरिऔध", मुकुटधर पांडेय, जगन्नाथ दास रत्नाकर, सुमित्रानन्दन पंत, (लघु उत्तरीय प्रश्न द्रुत पाठ एवं पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे।)

अंक विभाजन

प्रश्न1–	3 व्याख्या	–	3X10	=	30 अंक
प्रश्न2–	3 आलोचनात्मक	–	3X10	=	30 अंक
प्रश्न3–	5 लघुत्तरीय (द्रुत पाठ के कवि)	–	5X2	=	10 अंक
प्रश्न4–	वस्तुनिष्ठ अतिलघु उत्तरीय	–	10X1	=	10 अंक
			योग	**=**	**80 अंक**
		आंतरिक मूल्यांकन			**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें:–

1. साकेत एक अध्ययन– डॉ. नगेन्द्र
2. कवि निराला – आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
3. निराला की साहित्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा
4. नया साहित्य नये प्रश्न – आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
5. कामायनी एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
6. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर
7. हिन्दी साहित्य आधुनिक परिदृश्य – अज्ञेय
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास – नगेन्द्र
9. बच्चन की कविताओं का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. शीला शर्मा

चतुर्थ प्रश्नपत्र

आधुनिक गद्य साहित्य

(नाटक, एकांकी एवं चरितात्मक तथा आत्मकथात्मक कृति)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है–

1. आधुनिक गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप व विकासक्रम की जानकारी देना।
2. आधुनिक गद्य साहित्य की आधुनिक संवेदना और समकालीन जीवन–बोध के सम्बंधों के प्रति सजगता प्रदान करना।
3. हिंदी नाट्य–परंपरा तथा एकांकी विधा के अध्ययन के प्रति उन्मुख करना।
4. चरितात्मक तथा आत्मकथात्मक लेखन के प्रति रचनात्मक रूप से उन्मुख और अभिप्रेरित करना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1 विद्यार्थियों में ऐतिहासिक विकास क्रम के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष के महत्व को समझने और मूल्यांकन की क्षमता विकसित हुई

2 नाटक, एकांकी के माध्यम से विद्यार्थी विविध समस्याओं से अवगत हुए और उन समस्याओं के समाधान के लिए प्रेरित किया।

3 आवारा मसीहा के माध्यम से प्रसिद्ध बांग्ला लेखक शरतचंद्र चट्टोपाध्याय की जीवनी से परिचित हुए।

4 आत्मकथात्मक कृति जूठन द्वारा दलित जीवन की पीड़ा को जानने का अवसर प्राप्त हुआ।

एम.ए. – (हिन्दी)
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य
(नाटक, एकांकी एवं चरितात्मक तथा आत्मकथात्मक कृति)

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषय :–

इकाई –1. नाटक

1. स्कंदगुप्त – जयशंकर प्रसाद
2. हानूश – भीष्म साहनी
3. अन्धा युग – धर्मवीर भारती

इकाई –2. एकांकी

1. रीढ़ की हड्डी – जगदीश चन्द्र माथुर
2. एक दिन – लक्ष्मीनारायण मिश्र
3. ताँबे के कीड़े – भुवनेश्वर
4. तौलिए – उपेन्द्रनाथ अश्क

इकाई – 3. चरितात्मक कृति

1. पथ के साथी – निराला भाई
2. आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर (संक्षिप्त संस्करण)

इकाई – 4. आत्मकथात्मक कृति

1. जूठन (भाग–एक) – ओम प्रकाश बाल्मिकी

इकाई विभाजन

प्रश्न – 1 – व्याख्या
प्रश्न – 2 – नाटक
प्रश्न – 3 – एकांकी
प्रश्न – 4 – चरितात्मक कृति, आत्मकथात्मक कृति
प्रश्न – 5 – लघुउत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न

अंक विभाजन

1–	3 व्याख्या	– 3X10	=	30 अंक
2–	3 आलोचनात्क	– 3X10	=	30 अंक
3–	5 लघु उत्तरी	– 5X2	=	10 अंक
4–	वस्तुनिष्ठ अति लघु उत्तरीय	– 10X1	=	10 अंक
		योग	**=**	**80 अंक**
		आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

24/09/20

निर्धारित पुस्तकें:–

1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास	–	डॉ. दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाटक सिद्धांत और विवेचन	–	डॉ. गिरीश रस्तोगी
3. हिन्दी नाटक पुनर्मूल्यांकन	–	डॉ. सत्येन्द्र तनेजा
4. समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र सृष्टि	–	डॉ. जयदेव तनेजा
5. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन	–	जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
6. आधुनिक हिन्दी नाटक	–	नगेन्द्र
7. नाटक रंगमंच और मोहन राकेश	–	डॉ. सुरेन्द्र यादव
8. प्रसाद युगीन हिन्दी नाटक	–	डॉ. भगवती प्रसाद शुक्ल
9. प्रसाद के नाटक एवं नाट्य शिल्प	–	डॉ. शांति स्वरूप गुप्त
10. नाटककार मोहन राकेश	–	डॉ. सुन्दर लाल कथूरिया
11. हिन्दी एकांकी : उद्भव और विकास	–	रामचरण महेन्द
12. हिन्दी रंगमंच : दशा और दिशा	–	जयदेव तनेजा
13. भीष्म साहनी के उपन्यास और नाटक	–	डॉ. राकेश कुमार तिवारी

Dr. S. M. Rai

डा. यशेश्वरी ध्रुव

29/09/26

श्रीमती ज्योति भारती

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र पंचम

हिन्दी साहित्य का इतिहास (उत्तर मध्य काल से आधुनिक काल तक)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है–

1. उत्तर मध्य काल से आधुनिक काल की साहित्यिक परंपरा का सम्यक ज्ञान तथा उस काल में रचित साहित्य को समझने की दृष्टि प्रदान करना।
2. आधुनिकता और नवजागरण की ज्ञान–परंपरा और उसकी सामान्य पृष्ठभूमि की जानकारी प्रदान करना।
3. आधुनिक रचना के आस्वादन एवं समीक्षा की क्षमता विकसित करना।
4. हिंदी के आधुनिक साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना तथा समाजशास्त्रीय पद्धति से उसे समझने की प्रणालियों की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1 साहित्य की विभिन्न विधाओं का मूल्यांकन।

2 आधुनिक काल की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, राज्यक्रांति एवं पुनर्जागरण का समुचित ज्ञान होगा

3 हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं उपन्यास, कहानी ,नाटक, निबंध का विकासात्मक अध्ययन किया जाएगा।

4 छायावादोत्तर काल, प्रगतिवाद, नई कविता, नवगीत व समकालीन कविता को समझने की दृष्टि और समझ विकसित होगी।

Dr. S.M. Rai

डॉ. यशेश्वरी शुक्ल

29/09/26

श्रीमती ज्योति मिश्रा

एम. ए. (हिन्दी)
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – पंचम
हिन्दी साहित्य का इतिहास (उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक)

समय 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य विषयः–

इकाई 1. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) काल सीमा, नामकरण, प्रवृत्तियॉं, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धारायें (रीतिबद्‌ध, रीतिसिद्‌ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियॉं एवं विशेषताएं। रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ।

इकाई 2. आधुनिक काल – आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। सन् 1857 की राज्य क्रांति एवं पुनर्जागरण, भारतेन्दु युग और हिन्दी नवजागरण – प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं साहित्यिक विषेशताएँ ।

इकाई 3. द्विवेदी युग – प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विषेशताएँ, छायावाद– नामकरण और प्रवृत्तियॉं, प्रमुख साहित्याकार, साहित्यिक विषेशताएँ। छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियॉं) प्रगतिवाद, नई कविता, नवगीतवाद तथा समकालीन कविता, स्वच्छन्दतावाद सामान्य परिचय।

इकाई 4. हिन्दी गद्‌य का विकास – आधुनिक काल, गद्‌य साहित्य के विभिन्न रूपों का उद्‌भव और विकास, उपन्यास व कहानी का विकास और सामान्य प्रवृत्तियॉं, निबंध का विकास और प्रवृत्तियॉं, नाटक का उद्‌भव और विकास – सामान्य प्रवृत्तियॉं, गीति – नाटकों का परिचयात्मक विवेचन।

टीप :– प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्‌यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन

प्रश्न 1	(दीर्घ उत्तरीय)	–	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 2	(दीर्घ उत्तरीय)	–	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 3	(दीर्घ उत्तरीय)	–	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 4	(दीर्घ उत्तरीय)	–	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 5	लघु उत्तरीय	–	5X 2	=	10 अंक
प्रश्न 6	वस्तुनिष्ठ	–	10X 1	=	10 अंक
			योग	**=**	**80 अंक**
			आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

Dr. S... यशेश्वरी ध्रुव 29/09/26

निर्धारित पुस्तकें :–

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ – डॉ. नामवर सिंह
2. हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी – नन्ददुलारे वाजपेयी
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – कृष्ण शंकर शुक्ल
4. गद्य की विविध विधाएँ – डॉ. बापूराव देसाई
5. हिन्दी कहानी – उद्भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा
6. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियॉ – डॉ. शशि भूषण सिंह
7. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
9. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

प्रश्न पत्र षष्ठ

मध्यकालीन काव्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है–

1. मध्यकालीन काव्य के स्वरूप तथा उसकी भावभूमि से परिचित करना।

2. भक्तिकाल के महान कवियों सूरदास और तुलसीदास के काव्य–वैशिष्ट्य और उनकी कविता की लोकहितकारी भूमिका के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।

3 मध्यकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकारों का अध्ययन करना।

4 भक्तिकालीन साहित्य के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1 मध्यकालीन काव्य की मूल संवेदना तथा उसके भाषिक स्वरूप का बोध

2 राम एवं कृष्ण भक्ति का तुलनात्मक अध्ययन।

3 भारतीय संस्कृति विशेषता भक्तियुगीन संस्कृति के समन्वयात्मक स्वभाव के प्रति संवेदनशील होंगे।

4 हिंदी की भक्तियुगीन साहित्यिक विरासत के प्रति गौरव का अनुभव कर सकेंगे।

एम. ए. (हिन्दी)
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र –षष्ठ
मध्यकालीन काव्य

समय 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य विषय :– व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन किया जाएगा।

इकाई – 1. सूरदास –भ्रमरगीत सार – संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल (50 पद) पद संख्या – 1 से 10, 21 से 30, 51 से 60, 61 से 70, 81 से 90 तक (50 पद)

इकाई – 2. तुलसीदास – रामचरित मानस (सुंदरकाण्ड) गीताप्रेस गोरखपुर

इकाई – 3. बिहारी – बिहारी रत्नाकर संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकर (प्रारंभिक 100 दोहे)

इकाई – 4. घनानंद – घनानंद कवित्त सं.– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (प्रारंभिक 25 छंद) द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कवियों एवं उनकी रचनाओं का (विषय एवं शिल्पगत) ज्ञान अपेक्षित है केशव, भूषण, पद्माकर, देव, बोधा एवं आलम।

इन कवियों पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे ।

अंक विभाजन

प्रश्न	1 व्याख्या	3 व्याख्या	3X10	=	30 अंक
प्रश्न	2 सूरदास, तुलसीदास	3 आलोचनात्मक	3X10	=	30 अंक
प्रश्न	3 बिहारी एवं इतिहास विषयक	प्रश्न			
प्रश्न	4 द्रुत पाठ के कवि	5 लघु उत्तरी	5X2	=	10 अंक
प्रश्न	5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (संपूर्ण पाठ्यक्रम से)	10 वस्तुनिष्ठ अतिलघुत्तरीय	10X1	=	10 अंक
			योग	**=**	**80 अंक**
		आंतरिक मूल्यांकन			**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. बिहारी– डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. तुलसीदास और उनका युग संदर्भ – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. सूरदास के काव्य का मूल्यांकन – डॉ. रामरतन भटनागर
4. तुलसी साहित्य के नये संदर्भ – डॉ. एल.एन.दुबे
5. सूरदास – डॉ. हरबंस लाल वर्मा
6. तुलसीदास – प्रो. सतीश कुमार अशोक प्रकाशन नई दिल्ली
7. सूरदास – मैनेजर पाण्डेय
8. घनानंद कवित्त – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

प्रश्न पत्र सप्तम

आधुनिक काव्य –2

(प्रगतिवाद प्रयोगवाद नई कविता एवं समकालीन कविता)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है–

1. आधुनिक काव्य के मूल स्वभाव की समझ प्रदान कराना ।
2. आधुनिक काव्य के संवेदनात्मक और वैचारिक स्वरूप से परिचित करना।
3. नई कविता एवं समकालीन कविता के स्वरूप और प्रणाली से अवगत कराना।
4. प्रगतिवाद और प्रयोगवाद के सौंदर्यशास्त्रीय,वैचारिक और संवेदनात्मक दृष्टिकोण से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1 आधुनिक कालीन हिंदी काव्य का विस्तृत बोध कराना।

2 भारत के सामाजिक परिदृश्य के प्रति सजगता।

3 अज्ञेय, मुक्तिबोध की कविताओं के अध्ययन से उनकी कालजयी रचनाओं का ज्ञान।

4 रघुवीर सहाय व केदारनाथ सिंह के काव्य में अनुस्यूत मानवीय मूल्यों से साक्षात भेंट कर सकेंगे।

एम.ए. – (हिन्दी)
द्वितीय सेमेस्टर प्रश्न पत्र – सप्तम
आधुनिक काव्य–2
(प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं समकालीन कविता)

कुल अंक : 80

पाठ्य विषय –

इकाई 1. स.ही.वात्स्यायन अज्ञेय–		नदी के द्वीप, असाध्यवीणा, बावरा अहेरी, कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, उधार, देह वल्ली, सोन मछली
इकाई 2. ग.मा. मुक्तिबोध	–	कविता – अंधेरे में ।
नागार्जुन	–	बसन्त की अगवानी, यह तुम थी, शासन की बंदूक, सिन्दूर तिलकित भाल, अकाल और उसके बाद।
इकाई 3. केदारनाथ अग्रवाल	–	चन्द्रगहना से लौटती बेर, बसंती हवा हूँ, आज नदी बिल्कुल उदास थी, वह जन मारे नहीं मरेगा।
त्रिलोचन	–	चंपा काले अच्छर नहीं चीन्हती, तुम्हें सौपता हूँ, उस जनपद का कवि हूँ, धूप सुन्दर
इकाई 4. रघुवीर सहाय	–	रामदास, मेरा जीवन, हँसो–हँसो जल्दी हँसो, पानी–पानी
केदारनाथ सिंह	–	जो एक स्त्री को जानता है, बुराई का गीत, विद्रोह, सृष्टि पर पहरा, टूटा हुआ ट्रक

द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कवियों का अध्ययन किया जायेगा।

भवानी प्रसाद मिश्र, विनोद कुमार शुक्ल, धूमिल, आलोक धन्वा एवं राजेश जोशी (लघु उत्तरी प्रश्न द्रुत पाठ एवं सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जायेंगे)

अंक विभाजन

प्रश्न 1. 3 व्याख्या	–	3X10	=	30 अंक
प्रश्न 2. 3 आलोचनात्मक	–	3X10	=	30 अंक
प्रश्न 3. 5 लघु उत्तरीय	–	5X2	=	10 अंक
प्रश्न 4. 10 वस्तुनिष्ठ अतिलघु उत्तरीय	–	10X1	=	10 अंक
		योग	**=**	**80 अंक**
		आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. मुक्तिबोध की काव्य प्रक्रिया – अशोक चक्रधर
2. अज्ञेय का रचना संसार – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. कविता की तीसरी आंख – डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय
4. कविता से साक्षात्कार – मलयज
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामचन्द्र शुक्ल
6. कविता की संगत – विजय कुमार
7. कविता का अर्थात्– परमानंद श्रीवास्तव
8. नागार्जुन का रचना संसार – विजय बहादुर सिंह
9. छायावादोत्तर प्रबंध काव्यों में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं दार्शनिक तत्वों का अनुशीलन – डॉ. ज्योति पाण्डेय
10. छायावादोत्तर काव्यों की विभिन्न प्रवृत्तियों एवं उनका चैन्तनिक पक्ष – डॉ. ज्योति पाण्डेय
11. केदारनाथ सिंह की कविता – बिम्ब से आख्यान तक – गोविंद प्रसाद, नेहा पब्लिशर
12. कवि केदारनाथ सिंह– सम्पादक भारत यायावर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. कविता की संगत – विजय कुमार, आधार प्रकाशन पंचकूला
14. नई कविता और अस्तित्ववादी – रामविलास शर्मा
15. त्रिलोचन – सम्पादक महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, आदर्श नगर, दुर्ग
16. केदारनाथ – अग्रवाल सम्पादक महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, आदर्श नगर, दुर्ग
17. प्रगतिशील कविता के सौंदर्य –मूल्य – अजय तिवारी

डॉ. यशोरेश्वरी शुक्ल 29/09/26 श्रीमती ज्योति भारती

प्रश्न पत्र अष्टम

आधुनिक गद्य साहित्य

(उपन्यास, निबंध एवं कहानी)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है–

1 युगीन संदर्भों के आलोक में उपन्यास, निबंध एवं कहानी गद्य विधाओं को जान सकेंगे।

2 हिन्दी गद्य साहित्य के प्रमुख स्तम्भ आचार्य रामचंद्र शुक्ल, मुंशी प्रेमचंद्र, जयशंकर प्रसाद आदि की प्रसिद्ध रचनाओं पर समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना ।

3 आधुनिक गद्य साहित्य के अनुभव–संसार के साक्ष्य से सामाजिक वास्तविकता के साक्षात्कार का प्रयत्न करना।

4 आधुनिक गद्य साहित्य की संवेदनात्मक बुनावट को समझने की दृष्टि प्रदान करना ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. आधुनिक गद्य साहित्य के सशक्त लेखकों का आलोचनात्मक अध्ययन।
2. आधुनिक समाज की जीवंत समस्याओं का विस्तृत ज्ञान।
3. भारत के सामाजिक परिदृश्य के प्रति सजगता।
4. उपन्यास, कहानी व निबंध लेखन का अभिज्ञान।

एम.ए. – (हिन्दी)
द्वितीय सेमेस्टर प्रश्न पत्र – अष्टम
आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास, निबंध एवं कहानी)

पाठ्य विषयः– **पूर्णांक : 80**

उपन्यास	–	1. गोदान	– प्रेमचंद
		2. बाणभट्ट की आत्मकथा	– हजारी प्रसाद द्विवेदी
		3. सूखा बरगद	– मंजूर एहतेशाम
निबंध	–	1. चढ़ती उमर	– बालकृष्ण भट्ट
		2. कविता क्या है?	– रामचंद्र शुक्ल
		3. माटी की मूरतें	– रामवृक्ष बेनीपुरी
		4. चन्द्रमा मनसो जातः	– विद्यानिवास मिश्र
		5. वैष्णव की फिसलन	– हरिशंकर परसाई
कहानी	–	1. उसने कहा था	– चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
		2. पुरस्कार	– जयशंकर प्रसाद
		3. शतरंज के खिलाड़ी	– प्रेमचंद
		4. वापसी	– उषा प्रियम्वदा
		5. डिप्टी कलक्टरी	– अमरकांत

अंक विभाजन

प्रश्न 1. 3 व्याख्या	–	3X10	=	30 अंक
प्रश्न 2. 3 आलोचनात्मक प्रश्न	–	3X10	=	30 अंक
प्रश्न 3. 5 लघु उत्तरीय प्रश्न	–	5X2	=	20 अंक
प्रश्न 4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	10X1	=	10 अंक
		योग	=	**80 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन			**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें:–

1. प्रेमचंद और उनका युग	–	रामविलास शर्मा
2. गोदान के अध्ययन की समस्याएं	–	डॉ. गोपाल राय
3. हिन्दी उपन्यास की शिल्पविधि का विकास	–	सिद्धनाथ तनेजा
4. हिन्दी उपन्यास उद्‌भव और विकास	–	सुरेश सिन्हा
5. प्रेमचंद : एक अध्ययन	–	राजेश्वर गुरू
6. हिन्दी निंबध के आधार स्तम्भ	–	डॉ. हरिमोहन
7. हिन्दी कहानी : उद्‌भव और विकास	–	सुरेश सिन्हा
8. कहानी : स्वरूप और संवेदना	–	राजेन्द्र यादव
9. कहानी : नयी कहानी	–	नामवर सिंह
10. हजारी प्रसाद द्विवेदी	–	सं. विश्वनाथ तिवारी
11. प्रेमचंद का जीवनदर्शन एवं रंगभूमि	–	डॉ. शंकर बुन्देले

B.S.M.Ri. डॉ. यशोेश्वरी शुक्ल श्रीमती ज्योति भारती 29/09/26

एम.ए.–हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर, प्रश्न पत्र–प्रथम

साहित्य के सिद्धान्त तथा आलोचना शास्त्र

हर देश और समाज में प्राचीन काल से श्रेष्ठ साहित्य की रचना होती रही है। श्रेष्ठ रचनाओं के आधार पर साहित्य के सिद्धान्त और आलोचना के शास्त्र विकसित हुए। इस प्रश्न–पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य के सिद्धांतों तथा आलोचना शास्त्र से परिचय कराना है।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है :–

(1) विद्यार्थियों में आलोचनात्मक विवेक पैदा करना।

(2) भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य के सिद्धान्तों और आलोचना शास्त्र से अवगत कराना।

(3) साहित्य के पारंपरिक और आधुनिक मूल्यांकन के मानदण्डों और प्रतिमानों से परिचय कराना।

(4) साहित्य के सिद्धान्तों और आलोचना शास्त्र के माध्यम से समकालीन साहित्य की समझ और मूल्यांकन के लिए प्रेरित करना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

(1) विद्यार्थियों में साहित्य का आलोचनात्मक विवेक पैदा होगा।

(2) साहित्य के सिद्धांत और आलोचनाशास्त्र की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्परा से परिचित हो सकेंगे।

(3) उन्हें श्रेष्ठ साहित्य के मानदण्डों का ज्ञान होगा।

(4) समकालीन साहित्य की आलोचना और मूल्यांकन की दिशा में वे उन्मुख हो सकेंगे।

एम.ए. – (हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर प्रश्न पत्र – प्रथम
साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषयः–

इकाई–1	भारतीय काव्य शास्त्र काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन और काव्य के प्रकार रस सिद्धांत, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण, रस के अंग ।
इकाई–2	अलंकार सिद्धांत रीति सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत और औचित्य सिद्धांत
इकाई–3	पाश्चात्य काव्य शास्त्र प्लेटो – काव्य सिद्धांत अरस्तू– अनुकरण का सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, लोंजाइनस–उदात्त की अवधारणा
इकाई–4	मैथ्यू आर्नल्ड– कला की अवधारणा टी.एस. इलियट – कला की निर्वैयक्तिकता, कॉलरिज–कल्पना सिद्धांत, क्रिस्टोफर कॉडवेल – कविता संबंधी विचार
टीप :–	प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघु उत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन

प्रश्न 1	–	1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 2	–	1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 3	–	1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 4	–	1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 5 लघु उत्तरीय	–	5 X 2	=	10 अंक
प्रश्न 6 वस्तुनिष्ठ	–	10 X 1	=	10 अंक
		योग	=	**80 अंक**
		आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

1. डॉ. गणपति चन्द्रगुप्त – भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत
2. डॉ. भगीरथ मिश्र – पाश्चात्य काव्य शास्त्र, इतिहास, सिद्धांत एवं वाद
3. डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी– भारतीय काव्य शास्त्र के नये क्षितिज
4. डॉ. शिवकुमार मिश्र– मार्क्सवादी साहित्य के सिद्धांत
5. डॉ. नगेन्द्र – भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका
6. डॉ. निर्मला जैन – पाश्चात्य साहित्य चिंतन
7. मुलजी भाई– भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र
8. डॉ. गंगा प्रसाद विमल – आधुनिकता, साहित्य के संदर्भ में ।
9. क्रिस्टोफर कॉडवेल – विभ्रम और यथार्थ, राजकमल प्रकाशन।
10. नामवर सिंह – आधुनिक हिन्दी उपन्यास खण्ड 2, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

एम.ए.–हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर, प्रश्न पत्र–द्वितीय

भाषा विज्ञान

भाषा हमारे अस्तित्व, ज्ञान और चिन्तन का आधार है। भाषा में समय के साथ बदलाव और परिवर्तन होते हैं परन्तु ये परिवर्तन और विकास मनमाना नहीं होते उसकी एक पद्धति और नियम होते हैं, जिसकी समझ इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में पैदा की जा सकेगी।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है :–

(1) विद्यार्थियों को भाषा में परिवर्तन और विकास के नियमों से अवगत कराना।

(2) भाषा की ध्वनियों के वर्गीकरण और उच्चारण का वास्तविक ज्ञान कराना।

(3) भाषा की शुद्धता को बनाये रखने के लिए व्याकरण का ज्ञान देना।

(4) शब्द और अर्थ के संबंध, अनेकार्थता और अर्थ परिवर्तन का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

(1) विद्यार्थी भाषा में परिवर्तन और विकास के नियमों से परिचित हो सकेंगे।

(2) उन्हें ध्वनियों के वर्गीकरण और सही उच्चारण का ज्ञान होगा।

(3) व्याकरण के ज्ञान के कारण वे शुद्ध भाषा का प्रयोग कर पायेंगे।

(4) विद्यार्थी शब्द और अर्थ के संबंध, अनेकार्थता और शब्दों के अर्थ परिवर्तन से परिचित हो सकेंगे।

एम.ए. – (हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर प्रश्न पत्र – द्वितीय
भाषा विज्ञान

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषयः–

इकाई –1 भाषा और भाषा विज्ञान, भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना, भाषा विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक ।

इकाई –2 स्वन प्रक्रिया : स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वनिक परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद ।

इकाई –3 व्याकरण : रूप विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद, मुक्त – आबद्ध अर्थदर्शी और संबंधदर्शी रूपिम और शाखाएँ, रूपिम के भेद और प्रकार्य। वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण ।

इकाई –4 अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ – परिवर्तन।

टीप :– प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघु उत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन

प्रश्न 1 –	1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 2 –	1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 3 –	1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 4 –	1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 5 –	5 X 2	=	10 अंक
प्रश्न 6 –	10 X 1	=	10 अंक
	योग	**=**	**80 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें:–

1. सामान्य भाषा विज्ञान– डॉ. बाबूराम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भारत के भाषा परिवार – डॉ. रामनिवास शर्मा
4. भाषाशास्त्र की रूपरेखा – उदयनारायण तिवारी
5. हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरी दास बाजपेयी
6. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र – कपिलदेव द्विवेदी
7. सामान्य भाषाविज्ञान – बाबूराम सक्सेना
8. हिन्दी और उसका संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी
9. हिन्दी और उसकी विविध बोलियाँ – प्रो. दीपचंद जैन
10. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा – द्वारिका प्रसाद मिश्र

डॉ. यशेश्वरी ध्रुव   Dr. S. Mishra   29/09/26   श्रीमती ज्योति भरणे

एम.ए.–हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर, प्रश्न पत्र–तृतीय

कामकाजी हिन्दी एवं पत्रकारिता

हिन्दी सर्जनात्मकता की भाषा होने के साथ–साथ राजभाषा, संचार भाषा और सम्पर्क भाषा भी है। कम्प्यूटर पर इसके प्रयोग निरन्तर बढ़ रहे हैं। इन्टरनेट में भी इसका उपयोग हो रहा है। ज्ञान के दूसरे अनुशासनों को हिन्दी में उपलब्ध कराने हेतु पारिभाषिक शब्दावली का निर्माण और प्रयोग भी हो रहा है। समय की आवश्यकता और माँग के अनुसार भाषा के इन समस्त प्रकार्यों एवं पत्रकारिता के विविध आयामों से विद्यार्थियों को परिचित कराने के उद्देश्य से इस पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है :–

(1) हिन्दी भाषा के विविध रूपों–सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा–के विविध प्रकार्यों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

(2) बदलते समय की माँग के अनुरूप हिन्दी में कम्प्यूटर और इन्टरनेट के उपयोग के बारे में जानकारी प्रदान करना।

(3) हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्तों एवं ज्ञान के विविध क्षेत्र की पारिभाषिक शब्दावलियों से विद्यार्थियों को परिचित करना।

(4) हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास के साथ पत्रकारिता से जुड़े व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

(1) विविध क्षेत्रों में हिन्दी भाषा के प्रयोग से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।

(2) कम्प्यूटर और इन्टरनेट पर हिन्दी के उपयोग की जानकारी उन्हें हो सकेगी।

(3) विविध क्षेत्र के पारिभाषिक शब्दावलियों एवं पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्तों से वे अवगत हो सकेंगे।

(4) पत्रकारिता के इतिहास के साथ–साथ पत्रकारिता से जुड़े विविध कार्यों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

29/09/26

एम.ए. – (हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर प्रश्न पत्र – तृतीय
कामकाजी हिन्दी एवं पत्रकारिता

पाठ्य विषयः– **पूर्णांक : 80**

इकाई–1 हिन्दी के विभिन्न रूप – सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, कार्यालयीन हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य– प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी ।

इकाई–2 पारिभाषिक शब्दावली, स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली। हिन्दी कम्प्यूटर– कम्प्यूटर परिचय, उपयोगिता क्षेत्र, वेब पेज, पब्लिशिंग परिचय।

इकाई–3 इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्यतता के सूत्र । इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेट स्केप । हिन्दी साफ्टवेयर पैकेज ।

इकाई–4 पत्रकारिता का स्वरूप एवं प्रकार, हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास । समाचार लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्व, व्यवहारिक प्रूफशोधन, शीर्शक संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक, संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकारवार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता ।

टीप :– प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन

प्रश्न 1 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 2 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 3 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 4 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 5 –	5X 2	=	10 अंक
प्रश्न 6 –	10X 1	=	10 अंक
	योग	**=**	**80 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें:–

1. प्रयोजन परक हिन्दी – प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित
2. प्रशासनिक हिन्दी – पुष्पा कुमारी, क्लासिक पब्लिक कम्पनी
3. पत्रकारिता के छह दशक – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
4. हिन्दी पत्रकारिता का प्रतिनिधि संकलन – तरूशिखा सुरजन, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
5. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र
6. भारतीय समाचार पत्रों का संगठन एवं प्रबंधन – डॉ. सुकुमार जैन
7. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भनावत
8. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय मल्होत्रा
9. कम्प्यूटर एप्लीकेशन – गौरव अग्रवाल

D.S.M. Rai
डॉ. यशेश्वरी ध्रुव
24/04/26

एम.ए.–हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर, प्रश्न पत्र–चतुर्थ

भारतीय साहित्य

भारत में रचित विविध भाषाओं के साहित्य के इतिहास और साहित्य में रूचि पैदा करने, अनेकता में एकता के तत्वों की तलाश करने एवं विविध भाषाओं के साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन करने के उद्देश्य से इस पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। इससे एक समावेशी राष्ट्र के निर्माण में मदद मिलेगी।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है :–

(1) विद्यार्थियों में अपनी भाषा के साहित्य के अलावे अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य के प्रति रूचि पैदा करना।

(2) विविध भारतीय भाषाओं के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन कर उनके बीच समता और विषमता के तत्वों की पहचान करना।

(3) अनुवाद के माध्यम से भारतीय साहित्य की कुछ श्रेष्ठ रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन करना।

(4) भारतीय साहित्य की अवधारणा का विकास करना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

(1) विद्यार्थियों में अन्य भाषाओं के साहित्य के अध्ययन के प्रति रूचि विकसित होगी।

(2) भारतीय भाषाओं के साहित्य के प्रति परिचय का दायरा बढ़ेगा और भाषिक संकीर्णता दूर होगी।

(3) विद्यार्थी भारतीय भाषाओं के साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन करने की दिशा में अग्रसर होंगे।

(4) भारतीय साहित्य की अवधारणा मजबूत होगी और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलेगा।

एम. ए. – (हिन्दी साहित्य)
तृतीय सेमेस्टर प्रश्न पत्र – चतुर्थ
भारतीय साहित्य

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषय :–

इकाई–1 भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब, हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति ।

इकाई–2 हिन्दीतर साहित्य का इतिहास जो तीन वर्गों में विभक्त है –

1. दक्षिणात्य भाषा वर्ग से मलयालम
2. पूर्वांचल भाषा वर्ग में बँगला
3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग में मराठी

प्रत्येक विद्यार्थी इन तीनों विकल्पों में से एक भाषा चयन करेंगे बशर्ते वह भाषा अपनी क्षेत्रीय भाषा से भिन्न भाषा वाले वर्ग से संबंधित हो। विद्यार्थी एक भाषा वर्ग (मलयालम, बंगला, मराठी) में से किसी एक के इतिहास एवं हिन्दी भाषा साहित्य से उस भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे।

इकाई–3 उपन्यास – अग्निगर्भ (बंगला– महाश्वेता देवी)

इकाई– 4 नाटक – हयवदन (कन्नड़–गिरीशकर्नाड)

कविता संग्रह – कोच्चि के दरख्त (मलयालम– के.जी. शंकर पिल्लै)

इकाई तीन तथा चार के अंतर्गत केवल आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे ।

अंक विभाजन

प्रश्न 1 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 2 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 3 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 4 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 5 –	5X 2	=	10 अंक
प्रश्न 6 –	10X 1	=	10 अंक
	योग	=	**80 अंक**

आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक

निर्धारित पुस्तकें :–

1. मलयालम साहित्य – परख और पहचान – प्रो. आर. सुरेन्द्रन ।
2. राष्ट्रीय चेतना और मलयालम साहित्य – प्रो. आर. सुरेन्द्रन ।
3. मराठी भाषा और साहित्य – राजमल वोरा
4. मलयालम साहित्यकारों से साक्षात्कार – प्रो. आर. सुरेन्द्रन ।
5. बंगला भाषा और साहित्य का इतिहास – भारतीय भाषा संस्थान, इलाहाबाद
6. भारतीय साहित्य – डॉ. नगेन्द्र
7. भारतीय साहित्य रत्नमाला – सं.कृष्णदयाल भार्गव
8. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा
9. भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास – केन्द्रीय हिन्दी निर्देशालय, दिल्ली ।
10. भारतीय साहित्य : अवधारणा, समन्वय एवं सादृश्यता– जगदीश गुप्त

D.S.M. Rai   डॉ. यशोरवरी   29/09/26

एम.ए.–हिन्दी

चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्न पत्र–पंचम

हिन्दी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र

साहित्य एवं साहित्येतर क्षेत्र के विभिन्न वादों, सिद्धान्तों, हिन्दी के कवि आचार्यों एवं काव्यशास्त्रीय चिंतन एवं हिन्दी आलोचना की परम्परा और उसकी प्रवृत्तियों से परिचय कराने के उद्देश्य से इस प्रश्न पत्र का निर्माण किया गया है, जिससे विद्यार्थियों में आलोचनात्मक विवेक एवं व्यावहारिक समीक्षा के प्रति रूचि जागृत होगी।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है :–

(1) विद्यार्थियों को साहित्य एवं साहित्येतर क्षेत्र के विभिन्न वादों एवं सिद्धान्तों से परिचय करना जिससे उनकी आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो।

(2) हिन्दी के कवि आचार्यों एवं काव्य शास्त्रीय चिन्तन की परम्परा तथा हिन्दी के प्रसिद्ध आलोचकों की आलोचना से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

(3) हिन्दी आलोचना की विविध प्रवृत्तियों की जानकारी प्रदान करना।

(4) विद्यार्थियों में स्वतंत्र आलोचनात्मक विवेक पैदा करने हेतु व्यावहारिक समीक्षा का अभ्यास कराना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

(1) विद्यार्थियों को साहित्य एवं साहित्येतर क्षेत्र के विभिन्न वादों एवं सिद्धांतों का ज्ञान होगा।

(2) वे हिन्दी की काव्यशास्त्रीय चिंतन की परम्परा के साथ–साथ हिन्दी के प्रसिद्ध आलोचकों की आलोचना से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

(3) उन्हें हिन्दी आलोचना की विविध प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।

(4) उनमें नवीन कृतियों की व्यावहारिक आलोचना हेतु आलोचनात्मक विवेक पैदा होगा।

एम.ए. – (हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – पंचम
हिन्दी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषयः–

इकाई 1	मनोविश्लेशणवाद, अस्तित्ववाद, अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियॉ, संरचनावाद, शैलीविज्ञान, उत्तर आधुनिकता।
इकाई 2	हिन्दी कवि आचार्यों का काव्य शास्त्रीय चिंतन– लक्षण काव्य परम्परा – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. रामविलास शर्मा, नामवर सिंह।
इकाई 3	आधुनिक हिन्दी आलोचना का विकास एवं उसकी प्रमुख प्रवृत्तियॉ–शास्त्रीय, ऐतिहासिक, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्य शास्त्रीय, मार्क्सवादी, शैली वैज्ञानिक।
इकाई 4	व्यावहारिक समीक्षा : काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार व्याख्या त्रिलोचन, मुक्तिबोध, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, श्रीकांत वर्मा, अरूण कमल, विनोद कुमार शुक्ल।

अंक विभाजन

प्रश्न 1 – (दीर्घ उत्तरीय)	1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 2 – (दीर्घ उत्तरीय)	1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 3 – (दीर्घ उत्तरीय)	1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 4 – (दीर्घ उत्तरीय)	1 X 15	=	15 अंक
प्रश्न 5 – लघु उत्तरीय	5 X 2	=	10 अंक
प्रश्न 6 – वस्तुनिष्ठ	10 X 1	=	10 अंक
	योग	**=**	**80 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. डॉ. गोविंद त्रिगुणायत –शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत भाग 1 एवं 2
2. डॉ. भगवत स्वरूप मिश्र – हिन्दी आलोचना : उद्भव और विकास
3. डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल – हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ
4. डॉ. शिवकरण सिंह – आलोचना के बदलते मानदण्ड और हिन्दी साहित्य
5. डॉ. नंदकिशोर नवल – हिन्दी आलोचना का विकास
6. योगेन्द्र शाही – अस्तित्ववाद किर्कगार्द से कामू तक
7. रणधीर सिन्हा – आलोचनात्मक रामविलास शर्मा
8. नामवर सिंह – आलोचना की दूसरी परम्परा, सम्पादक कमला प्रसाद, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
9. कविता की संगत – विजय कुमार, आधार प्रकाशन पंचकूला
10. हिन्दी आलोचना का इतिहास – नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन

D. S. M. Rai
डॉ. यशेश्वरी ध्रुव
श्रीमती ज्योति भगत
24/09/26

एम.ए.–हिन्दी

चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्न पत्र–षष्ठ

हिन्दी भाषा

हिन्दी आज हमारी राजभाषा, संचार भाषा, सम्पर्क भाषा होने के साथ हमारे ज्ञान–विज्ञान, चिन्तन एवं अभिव्यक्ति का माध्यम भी है। इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भौगोलिक विस्तार, उसके विविध रूपों एवं हिन्दी में कम्प्यूटर की सुविधाओं की जानकारी देने के साथ–साथ आँकड़ा संसाधन, शब्द संसाधन, वर्तनी शोधक, हिन्दी भाषा शिक्षण तथा उसकी लिपि की विशिष्टताओं से अवगत कराना है।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है :–

(1) हिन्दी भाषा के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

(2) हिन्दी भाषा के भौगोलिक विस्तार की जानकारी प्रदान करना।

(3) सम्पर्क भाषा, राष्ट्र भाषा, राजभाषा, संचार भाषा के रूप में हिन्दी के विविध रूपों तथा उसकी संवैधानिक स्थिति के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी देना।

(4) हिन्दी में कम्प्यूटर की सुविधाओं तथा देवनागरी लिपि की विशिष्टताओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

(1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से परिचित हो सकेंगे।

(2) उन्हें हिन्दी भाषा के भौगोलिक विस्तार का ज्ञान होगा।

(3) वे हिन्दी भाषा के विविध रूपों तथा उसकी संवैधानिक स्थिति से परिचित होंगे।

(4) हिन्दी में कम्प्यूटर की सुविधाओं के साथ–साथ देवनागरी लिपि की विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।

एम.ए. – (हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर प्रश्न पत्र –षष्ठ
हिन्दी भाषा

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषयः–

इकाई–1 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ – वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विषेशताएँ । मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ – पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ । आधुनिक भारतीय भाषाएँ और उनका वर्गीकरण ।

इकाई–2 हिन्दी का भौगोलिक विस्तार – हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

इकाई–3 हिन्दी के विविध रूप– संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति ।

इकाई–4 हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ – आंकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी शोधक, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा शिक्षण । देवनागरी लिपि : विशेषताएँ और मानकीकरण ।

टीप :– प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन

प्रश्न 1 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 2 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 3 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 4 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 5 – लघु उत्तरीय	5X 2	=	10 अंक
प्रश्न 6 – वस्तुनिष्ठ	10X 1	=	10 अंक
	योग	**=**	**80 अंक**
आंतरिक मूल्यांकन			**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें:–

1. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी और उसकी विविध बोलियाँ – प्रो. दीपचंद जैन
3. भाषा भूगोल – कैलाशचंद भाटिया हिन्दी समिति उ.प्र. शासन लखनऊ
4. हिन्दी भाषा की रूप संरचना – भोलानाथ तिवारी
5. राष्ट्रभाषा हिन्दी समस्याएँ और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा
6. नागरी लिपि और हिन्दी – अनंत चौधरी
7. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
8. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी

Dr. S. M. Rai   डॉ. यशेश्वरी ध्रुव   श्रीमती ज्योति भरणे   29/04/26

एम.ए.–हिन्दी

चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्न पत्र–सप्तम

मीडिया लेखन एवं अनुवाद

विभिन्न संचार माध्यमों ने आज पूरे विश्व को एक दूसरे के साथ जोड़ दिया है और पूरी दुनिया एक वैश्विक गाँव में तब्दील हो गयी है। दुनिया भर में परस्पर होने वाले भाषिक अनुवादों ने भाषाई दीवारों को तोड़ दिया है। कला, साहित्य, ज्ञान और विज्ञान की दृष्टि से दुनिया आज बहुत करीब आ गयी है। इसे संभव बनाने वाले जनसंचार माध्यमों और अनुवादों के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को समृद्ध करने के उद्देश्य से इस प्रश्न का निर्माण किया गया है।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है :–

(1) विद्यार्थियों को जनसंचार के विविध माध्यमों एवं मीडिया लेखन की जानकारी प्रदान करना।

(2) दृश्य एवं श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं रेडियो) की विविध विधाओं की भाषिक प्रकृति से अवगत कराना।

(3) अनुवाद का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।

(4) व्यावहारिक अनुवाद के विविध क्षेत्रों–कार्यालयीन, प्रशासनिक, साहित्यिक अनुवाद–की विशिष्टता और प्रविधि से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

(1) विद्यार्थियों को आधुनिक संचार के विविध माध्यमों का ज्ञान प्राप्त होगा।

(2) वे दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों की भाषा की प्रकृति से अवगत होंगे।

(3) उन्हें अनुवाद का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।

(4) वे कार्यालयीन, प्रशासनिक, व्यावसायिक और साहित्यिक अनुवाद की दिशा में कार्य करने में सक्षम होंगे।

D. S. M. Rai

डॉ. यशेश्वरी ध्रुव

29/09/26

श्रीमती ज्योति भारती

एम.ए. – (हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – सप्तम
मीडिया–लेखन एवं अनुवाद

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषयः–

इकाई–1 मीडिया लेखन जनसंचार : प्रौद्योगिक एवं चुनौतियॉ, विभिन्न जनसंचार–माध्यमों का स्वरूप–मुद्रण, श्रवण, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट, श्रवण–माध्यम (रेडियो), मौखिक भाषा की प्रकृति । समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन–लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज ।

इकाई–2 दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं रेडियो), दृश्य–माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर) पटकथा–लेखन, टेली–ड्रामा, संवाद–लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण, विज्ञापन की भाषा ।

इकाई–3 अनुवाद – सिद्धांत एवं व्यवहार अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि । हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका । कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, विधि साहित्य की हिन्दी और अनुवाद।

इकाई–4 व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास, कार्यालयीन अनुवाद, कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियॉ, पदनाम, विभाग, आदि पत्रों के अनुवाद, पदनामों–अनुभागों–दस्तावेजों–प्रतिवेदनों के अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार–कविता, कहानी, नाटक, सारानुवाद, दुभाषिया–प्रविधि ।

टीप :– प्रत्येक इकाई से 02 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से 01 प्रश्न को हल करना होगा। प्रत्येक इकाई से 02 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। कुल 8 लघु उत्तरीय प्रश्नों में से 5 प्रश्नों को हल करना होगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे गए 15 प्रश्नों में से 10 अति लघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन

प्रश्न 1 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 2 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 3 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 4 –	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 5 –	5X 2	=	10 अंक (पांच लघु उत्तरीय)
प्रश्न 6 –	10X 1	=	10 (दस वस्तुनिष्ठ)
	योग	=	**80 अंक**

आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक

A.S.M. Rai   डॉ. यशोश्वरी ध्रुव   29/09/26   श्रीमती ज्योति भरणे

निर्धारित पुस्तकें:–

1. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी – डॉ. चन्द्रकुमार (क्लासिकल पब्लिक कंपनी)
2. जनमाध्यम एवं पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
3. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम– डॉ. संजीव भागवन्त (उ.प्र. जयपुर)
4. पत्रकारिता के विविध आयाम – वेदप्रताप वैदिक
5. दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोनमूलक विविध प्रयोग : डॉ. कृष्णकुमार रत्तू (मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर)
6. जनमाध्यम एवं पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
7. अनुवाद के सिद्धांत – सुरेश कुमार
8. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – सुरेश कुमार
9. अनुवाद – बोध – डॉ. गार्गी गुप्त (भारतीय अनुवाद परिषद् दिल्ली)

29/09/20

एम.ए.–हिन्दी

चतुर्थ सेमेस्टर, प्रश्न पत्र–अष्टम

जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

भारत विविध तरह की भाषाओं और संस्कृतियों का संगम स्थल है। हमारे लिए वैश्विक, राष्ट्रीय भाषाओं के साथ अपनी मातृभाषा और जनपदीय भाषा का ज्ञान भी आवश्यक है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छत्तीसगढ़ जनपद की भाषा छत्तीसगढ़ी की भाषिक विशेषताओं एवं उसके साहित्य से विद्यार्थियों को अवगत कराना है।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है :–

(1) विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप एवं व्यावहारिक विशेषताओं से परिचय करना।

(2) छत्तीसगढ़ी साहित्य के इतिहास एवं युगीन प्रवृत्तियों की जानकारी प्रदान करना।

(3) छत्तीसगढ़ी कविता की महान विभूतियों एवं उनकी कविताओं से परिचय कराना।

(4) छत्तीसगढ़ी नाटक, उपन्यास एवं अन्य विधाओं की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

(1) विद्यार्थी अपनी मातृभाषा एवं जनपदीय भाषा छत्तीसगढ़ी के स्वरूप एवं व्यावहारिक विशेषताओं से परिचित होंगे।

(2) उन्हें अपनी भाषा के साहित्य के इतिहास और विविध युगीन प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त होगा।

(3) छत्तीसगढ़ी कविता की महान विभूतियों और उनकी कविताओं से परिचित होंगे।

(4) छत्तीसगढ़ी भाषा में रचित नाटक, उपन्यास एवं अन्य विधाओं से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

B. S. M. Rai

डॉ. यशेश्वरी ध्रुव

29/09/26

एम.ए. – (हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर प्रश्न पत्र – अष्टम
जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषय :–

इकाई–1 छत्तीसगढ़ी भाषा–भौगोलिक सीमा, नामकरण, भाषिक स्वरूप एवं व्याकरणिक विशेषताएँ।

इकाई–2 छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियाँ एवं इतिहास ।

इकाई–3 छत्तीसगढ़ी कविता एवं कवि –
(1) सुंदरलालशर्मा
(2) मुकुटधर पाण्डेय
(3) हरि ठाकुर
(4) डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा

इकाई–4 छत्तीसगढ़ी नाटक एवं उपन्यास
1. करमछड़हा (नाटक) – डॉ. खूबचंद बघेल
2. आंवा (उपन्यास) – परदेशीराम वर्मा
3. बहू हाथ के पानी (उपन्यास) – दुर्गा प्रसाद पारकर

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित रचनाकार का अध्ययन (पांच लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे)
(1) लखन लाल गुप्त (2) लक्ष्मण मस्तुरिहा
(3) केयूर भूषण (4) मुकुन्द कौशल
(5) लोचन प्रसाद पाण्डेय (6) लाला जगदलपुरी
(7) पवन दीवान (8) कोदूराम दलित

अंक विभाजन

प्रश्न 1	–	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 2	–	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 3	–	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 4	–	1X 15	=	15 अंक
प्रश्न 5	–	5X2	=	10 अंक
प्रश्न 6	–	10X1	=	10 अंक
		योग	=	**80 अंक**
		आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें:–

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्‌विकास – डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा
2. छत्तीसगढ़ी, हलबी, भतरी भाषाओं का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन – भालचंद्र राव तैलंग
3. छत्तीसगढ़ी परिचय– डॉ. बलदेव मिश्र
4. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का अध्ययन – दयाशंकर शुक्ल
5. छत्तीसगढ़ी लोकजीवन और लोकसाहित्य का अध्ययन – डॉ. शकुन्तला वर्मा
6. छत्तीसगढ़ी भाषा का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ. शंकर शेष
7. प्राचीन छत्तीसगढ़ी बोली – प्यारेलाल गुप्त
8. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और भाषा – डॉ. बिहारीलाल साहू
9. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य – डॉ. सत्यभामा आडिल
10. छत्तीसगढ़ के साहित्यकार – देवीप्रसाद वर्मा
11. मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण – चंद्रकुमार चंद्राकर

डॉ. यशेश्वरी ध्रुव
29/09/26